<table>
<tr><th colspan="5">बी0ए0 संगीत (स्वरवाद्य) – द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम</th></tr>
<tr><th>क्र0 सं0</th><th>कोर्स का नाम</th><th>कोर्स कोड</th><th>अंक</th><th>श्रेयांक</th></tr>
<tr><td>1</td><td>संगीत शास्त्र</td><td>बी0ए0एम0आई0 - 201</td><td>100</td><td>3</td></tr>
<tr><td rowspan="4">प्रथम खण्ड</td><td>भारतीय संगीत का इतिहास, शब्दावली, स्वर वाद्य एवं घरानें</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td>इकाई 1 - भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल से मध्यकाल तक।</td></tr>
<tr><td>इकाई 2 - नाद, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांन्गवादि राग, उतरान्गवादि राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग।</td></tr>
<tr><td>इकाई 3 - स्वर वाद्य की विकास यात्रा व स्वर वाद्य के घरानों का संक्षिप्त परिचय।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">द्वितीय खण्ड</td><td>स्वरलिपि पद्धति, राग पहचानना, जीवन परिचय एवं निबन्ध लेखन</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td>इकाई 1 - विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे पद्धति से तुलना ; पाठ्यक्रम के रागों का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना।</td></tr>
<tr><td>इकाई 2 - संगीतज्ञों (पं0 तानसेन, अमीर खुसरो, उ0 अलाउद्दीन खॉं, उ0 इमदाद खान, पं0 निखिल बैनर्जी व पं0 रविशंकर) का जीवन परिचय।</td></tr>
<tr><td>इकाई 3 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।</td></tr>
<tr><td rowspan="4">तृतीय खण्ड</td><td>स्वरलिपि व काललिपि में लिखना</td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td><td rowspan="4"></td></tr>
<tr><td>इकाई 1 - पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी गत (तोडों सहित) को लिपिबद्ध करना।</td></tr>
<tr><td>इकाई 2 - पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत(तोडों सहित) को लिपिबद्ध करना।</td></tr>
<tr><td>इकाई 3 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय एवं उनको लयकारी(दुगुन व चौगुन) सहित लिपिबद्ध करना।</td></tr>
<tr><td colspan="5">राग - विहाग, बागेश्री, वृन्दावनी सारंग, देश, शुद्ध कल्याण
ताल - बी0ए0 प्रथम वर्ष की तालें तथा झपताल, धमार, रुपक, कहरवा व दादरा</td></tr>
</table>